S-338

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन बताते हुए वेदाङ्गत्व निरूपित करें।

2. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तक आचार्यों का वर्णन करते हुए महात्मा लगध के ज्योतिष-शास्त्रीय योगदान का निरूपण करें।

3. ज्योतिषशास्त्र का विस्तृत परिचय देते हुए भेद एवं स्कन्ध सहित समाजोपयोगिता का वर्णन करें।

4. सिद्धान्त का लक्षण लिखकर वैशिष्ट्य निरूपित करें।

5. दैवज्ञ के स्वरूप एवं लक्षण का वर्णन करते हुए संहिता पदार्थों का निरूपण करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ज्योतिषशास्त्र के ह्रास के कारणों का निरूपण करें।

2. ज्योतिषशास्त्र के उत्पत्ति के सिद्धान्तों का निरूपण करें।

3. वैदिक कालीन ऋतु व्यवस्था का वर्णन करें।

4. पंचसंवत्सरात्मक युगों का परिचय दें।

5. होरा शब्द की व्युत्पत्ति प्रस्तुत करते हुए उपयोगिता निरूपित करें।

6. वास्तुशास्त्र का परिचय देते हुए इसके उपजीव्य स्कन्ध का निरूपण करें।

7. शकुन के शुभाशुभ लक्षणों का निरूपण करें।

8. ज्योतिषशास्त्र के उत्पत्ति-विकास-ह्रास सहित वर्तमान स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत करें।